

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ



भारत ने रचा इतिहास : पहली बार जीता जूनियर महिला एशिया कप हॉकी

ट्रेन से कट कर एक

नवजात हाथी की नौत

सारायकेला। चांडिल अनुमंडल के नीमझीह थाने शें के गुंडा विहार रेलवे स्टेशन के पास शेनिवार रात करीब तीन बजे मालावाहक ट्रेन की चपेट में आने से एक हाथी बच्चे की मौत हो गयी। करीब 17 जगली हाथियों का झुंड गुड़ा गांव के जाल में डेरा डाले हुए हैं। रात को हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पार कर कर रहा था। उसी दौरान एक नवजात हाथी बच्चा ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही हाथी बच्चे की मौत हो गयी।

दुधवा नेशनल पार्क

में 4 बायों की नौत

लखनऊ। यूथी के लंगीमपुर खीरी जनपद में स्थित संरक्षित वन क्षेत्र दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में बीते 45 दिनों में 4 बायों की मौत हो गयी है।

इस मामले की सीएस योगी गोपी आदियास्थ ने विसर्जन जांच कर

रिपोर्ट प्रस्तुत की कहा है। वन मंत्री

अरुण सवसेना का कहना है कि रविवार को बाध का जो शब्द मिला है उसका पोर्टफोर्म करता जा रहा है। अंदेशा है कि दूसरे बाध या किसी अन्य जनवार से हिंसक झड़प होने के बाद बाध की मौत हो गयी है। शब्द में कोई पड़ गये थे।

कुलाधिपति की आज

कुलपतियों संग बैठक

रांची। राज्यपाल सह कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन के साथ 12 जून को राज्य के सभी बैठकों की बैठक होगी। बैठक में पूर्णियों पर अब तक इडी कारबाही के अलावा नयी शिक्षा नीति के तहत पढ़वाई तथा अन्य समस्याओं पर चर्चा की जायेगी।

जानेनाने अभिनेता

नंगल दिल्लो का निधन

मुर्वद। जानेनाने अभिनेता मंगल दिल्लो का रविवार निधन हो गया।

मंगल दिल्लो लंबे समय से फैटर से पीड़ित थे। फिल्मेए एक महीने से

लूधियाना के कैंसर अस्पताल में

उनका इलाज चल रहा था लेकिन

उनकी हालत बिगड़ी चली गई और

11 जून को उड़ाने दम तोड़ दिया।

पीएलएफआइ का

एरिया कमांडर गिरफ्तार

रांची। वानी पुलिस ने पीएलएफआइ के एरिया कमांडर आलोक यादव उर्फ चंद्रशेखर यादव को गिरफ्तार किया है। इसके पास से छ्ठ पीस पीएलएफआइ का पर्चा, दो मोबाइल और एक बालू बरामद किया है।

चास के बाल सुधार

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि वहाँ के कर्मियों और सुरक्षा गाड़ियों की लापराही का फायदा उठाया।

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि वहाँ के कर्मियों और सुरक्षा गाड़ियों की लापराही का फायदा उठाया।

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से

दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि वहाँ के कर्मियों और सुरक्षा गाड़ियों की लापराही का फायदा उठाया।

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से

दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि वहाँ के कर्मियों और सुरक्षा गाड़ियों की लापराही का फायदा उठाया।

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से

दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि वहाँ के कर्मियों और सुरक्षा गाड़ियों की लापराही का फायदा उठाया।

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से

दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि वहाँ के कर्मियों और सुरक्षा गाड़ियों की लापराही का फायदा उठाया।

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से

दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि वहाँ के कर्मियों और सुरक्षा गाड़ियों की लापराही का फायदा उठाया।

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से

दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि वहाँ के कर्मियों और सुरक्षा गाड़ियों की लापराही का फायदा उठाया।

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से

दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि वहाँ के कर्मियों और सुरक्षा गाड़ियों की लापराही का फायदा उठाया।

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से

दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि वहाँ के कर्मियों और सुरक्षा गाड़ियों की लापराही का फायदा उठाया।

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से

दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की घटना को लेकर बताया जा रहा है कि वहाँ के कर्मियों और सुरक्षा गाड़ियों की लापराही का फायदा उठाया।

गृह से दो बंदी फरार

बोकारो। चास बाल सुधार गृह से

दो बाल बंदी शिनिवार शाम दीवार फांद कर रहा था भाग निकले हैं।

अब तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बंदी सरगर्मी से खोज की जा रही है। बाल केंद्री फरार होने की

धौनी के बाद हार ही...

भा रतीय क्रिकेट टीम का आईसीसी टूनामेंट में हारने का सिलसिला लगातार जारी है। टीम इंडिया इस बार भी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के खिलाफी मुकाबले में हार गई और इसी के साथ भारतीय क्रिकेट टीम का आईसीसी खिताब जितने का उपरान्त भारत फिर टूट गया। भारत ने आखिरी आईसीसी खिताब 2013 में मैन्ड्रेस सिंह धोनी की कप्तानी में इंडिया को हाराकर चैम्पियन्स ट्रॉफी के रूप में जीता था। तब धोनी की कप्तानी ने टीम इंडिया ने आखिरी ओवर के इंडिलैंड को मात दी थी। धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने यह तीसरी आईसीसी टॉनी जीती थी। हालांकि, इसके बाद से टीम इंडिया को प्रेसी नजर लगी की टीम के लिए एक भी कड़उ टूनामेंट जीतना मुश्किल हो गया है। चाल 2013 में चैम्पियन्स ट्रॉफी जीतने के बाद से टीम इंडिया 2014 टी20 विश्व कप कप फाइनल, 2015 चाल डेविल, 2016 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल, 2021 टी20 विश्व कप में सुपर 12 चरण में, 2022 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2021 फाइनल हार गई। विश्व क्रिकेट में अपने रुतबे के बावजूद भारतीय टीम के आईसीसी खिताब जीतने पर लगा ग्रहण टला नहीं है, अब आस्ट्रेलिया से 209 रन से हारकर रोहित शर्मा की टीम लगातार दूसरी बार खिताब से वीचत रह गई। ऐसा नहीं था कि भारतीय क्रिकेट टीम को इस मैच में जीतने का अवसर नहीं मिला लेकिन उस अवसर का लाभ उठाने में क्रिकेट टीम लगावल रही। ऐसी शिथित है कि आखिरी तीनों में हार के बाद धोनी की बाद खिताब का व्यापारिक है क्योंकि वहाँ रहे मैच को जीता था और अंतिम समय तक संर्वर्ध कप प्राप्त कर रहा है। दस साल पहले धोनी के नेतृत्व में टीम आईसीसी कप जीती थी। उसके बाद हार का सिलसिला थम ही नहीं रहा है।

कनाडा की कटृतूत

वी ते सप्ताह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकलने की घटना ने सभी हृदय पर कर दी। जो बताती है कि कनाडा में भारत विशेष पुरुषकातावधियों के हौसले कितने बुनद हैं और उन्हें सत्ता में शामिल लोगों का संरक्षण योग्य हुआ है। चार जून को हृदय इस घटना का वॉल्डियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हर भारतीय राष्ट्रवादी उत्तेजित हुआ है। जिसके चलते भारत सरकार ने भी घटना का कड़ा प्रतिवाद किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कड़े शब्दों में कहा है कि ये घटना न तो भारत-कनाडा संबंधों के लिये और न ही कनाडा के लिये ठीक है। यूं तो कहने के लिये भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैरमन भैन ने इस घटना की निंदा की है, और उसके लिये भारतीय द्वारा न्यूनतम मूल्य यानी की सरकारी खरीद की न्यूनतम दर तय कर देती है। बावजूद इसके किसान संगठन नाखुस रहते हैं। इनकी नाखुरी का बड़ा कारण यह होता है मंडी में खरीद ठीक ढंग से नहीं होती। होना वह चाहिए सरकारी खरीद पर कोई ना कुरन नहीं कर पाए।

सबल वह है कि जब सरकार एमएसपी धोषित करती है तो उसी दिन यह व्यवस्था भी सुनिश्चित हो जाती चाहिए कि सरकार द्वारा धोषित एमएसपी राशि तो काशकारों को मिले ही मिले। इसके लिए उसे किसी की ओर ताका नहीं पढ़े। किसान आदेलोंने के दौरान महत्वपूर्ण विवाद का कारण एमएसपी व्यवस्था जारी रखने की गर्नन्टी को लेकर है। किसानों को कम से कम उनकी लागत का प्राप्त होने के लिये उसके लिए भारतीय द्वारा न्यूनतम मूल्य की धोषणा की जाती है। देश में पहले बार 1966-67 में सबसे पहले गेहू की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम मूल्य की धोषणा की गई। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके ज्ञा की अव्यक्तिता में इसके लिए कमेंटे घटित की थी। इसके बाद सरकार के उच्चायुक्त कैरमनों ने अपनी वेपुर होने के बाद दूसरे दिन यह लागत करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। भारतीय कर रहे हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया के कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों में ऐसे क्रूत्यों को संरक्षण की कालांतरी कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरामों को जितनी जल्दी ही सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगवादियों के हौसले इन बुलंद हैं कि कभी भारी उच्चायुक्त को घेरते हैं, भारीयों पर हमले करते को सभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथक्तावाद और हिंसा की तपिया का ताप देर-से-देर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। तुमनिया की कई देशों



आन के पेड़ से गिरकर

दो किशोर हुए घायल

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के राजनाराम निवासी सुकरा खलखो का 16 वर्षीय पुरुष संदीप खलखो वह अगस्त कुन्जुर आम के पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये। जिसे परिजनों ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां चिकित्सकों की देखरेख में दोनों का इलाज सदर अस्पताल में बल रहा है। घटना की जानकारी देखे रहा है। परिजन ने बालू के बालू का अवैध उठाव लगातार जारी

सांप के काटने से बच्चा बीगार

गुमला। भर्तों प्रखंड के करंज गांव निवासी देव कुमार सिंह के 10 वर्षीय पुरुष तेजस्वी सिंह सांप के काटने से जर्जी हो गया। जिसे गंभीर रिश्ता में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां चिकित्सकों की देखरेख में बच्चे का इलाज जारी है। घटना के सदर में तेजस्वी के पिता ने बताया कि घर के बगल ही एक तालब है। जहां पैर हाथ धोने तेजस्वी गया हुआ था। तभी एक सांप ने पैर में डस लिया। जहां बच्चे के द्वारा तुरन्त आकर सूचना परिजन गुमला सदर अस्पताल में बच्चे को भर्ती कराया है।

धान बीज वितरण का बीज बांटकर किया शुभारंग

घाघरा। घाघरा प्रखंड के चुंरी लैपस में धान बीज वितरण का शुभारंग रविवार को मुखिया विनीत कुमारी औं उप मुखिया अंतीम मनी पाटक ने संयुक्त रूप से बीज बांटकर किया। इस बालू के रविवार को जानकारी देखे हुए मुखिया विनीत कुमारी ने बताया कि सरकार की ओर से धान बीज डीआरएसएच द्वारा उपलब्ध कराया गया है। जिसे लाभुकों को 50 प्रतिशत अनुदान पर वितरण किया जा रहा है। लाभुकों के द्वारा गुमला सदर अस्पताल के लाभ प्रदान करने के लिए अपने साथ जीमी का खाता लॉट, रक्खा, आधार नंबर और मोबाइल साथ में लेकर आये। इस अवसर पर पूर्ण मुखिया अदित्य भाट, लैपस अध्यक्ष सीती उरांव, सचिव सुरेन्द्र यादव, संजेश उरांव एवं अन्य किसान उपस्थित थे।

बाईक से गिरकर गहिला घायल, रिस्स ऐफर

गुमला। पालकोट थाना क्षेत्र के बिधायिका से सीपीएस डकूट दुर्घटना में कोलेबिरा थाना क्षेत्र के दुर्घटनीह निवासी 45 वर्षीय हेमवरी देवी घायल हो गई। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पैर घर्षण के द्वारा तुरन्त आकर लौहरदगा में भर्ती कराया गया है। इसी उद्देश्य से महिला कार्य को गति प्रदान करने तथा कार्यकर्ता निर्माण एवं कार्य को वृद्धिकरण करने के उद्देश्य से घेतोना की आयोजन किया गया। जिसमें विनीत कुमारी ने आयोजित कोशिका विद्यालय के नाम से लोहरदगा के कान व नाक से लगातार खुन का आप हो रहा था। मिली जानकारी के अनुसार घायल महिला अपने पति कृष्ण सिंह के साथ रायडीप्रखंड के मरदा गांव एक शादी समारोह में जा रही थी। इसी दौरान बिधायिका के समीप रोड में एक पशु दौड़ गया। जिसे बाईक अंसुलित हो गया। पति कृष्ण ने पैर बैठा ही रही और पति पीछे पीछे खिलकर घायल हो गई।

25 फीट ऊपरे पेड़ से गिरकर बच्ची घायल

गुमला। रायडीप्रखंड के सुरसांग थाना अंतीम कोवा चिरोडीप्रखंड निवासी बिसा बीक बार्डाइप्रखंड की 13 वर्षीय पुरुष अंजली कुमारी धर के सीपीएस रिश्ता आम के पेड़ से आम तौरेन के क्रम में नीचे गिरकर घायल हो गई। जिसके बाद परिजनों द्वारा घायल अवस्थ में उसे लेकर उप खास्त्र फ्रेंड रायडीप्रखंड के मरदा गांव एक शादी समारोह में जा रही थी। इसी दौरान बिधायिका के समीप रोड में एक पशु दौड़ गया। जिसके बाद वह नीचे गिरने लगी। वही एक डाक्टर आम तौर पर रही थी। तभी पेड़ की डाली टूट गई। जिसके बाद वह नीचे गिरने लगी। वही एक डाली में गिर कर अटकी गई। परिजनों ने बताया कि डाली में अटकने के बाद लगभग 25 फीट नीचे जीमी पर गिरी। वही किशोरी का कमर टूट गया है।

जीवनदायनी नदियां सुख गयी पर बालू का अवैध उठाव लगातार जारी

राष्ट्रीय हरित न्यायाधीकरण के निर्देश पर पूरे राज्य में 10 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों से बालू के उठाव पर लगा है रोक

खबर मन्त्र संवाददाता



नदी में ट्रैक्टर प्रवेश कर बालू का उठाव करते गजदर

गुमला। भीषण गर्मी में जहां धरती तप रही है और गर्मी के प्रभाव से जीवदायनी नदियां सुख उकी हैं। ऐसी परिस्थिति में वीं नदियों के स्वरूप से खिलवाड़ी जिले में लगातार सदर अस्पताल में बल रहा है। घटना की जानकारी देखे रहे परिजन ने बालू का उठाव कराया जाने की ओर दोनों किंशोर आम के पेड़ से बदल रहे थे और दोनों एक ही डाली पर छड़े थे अंचानक डाली के टूट जाने से दोनों किंशोर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गये। जिसे परिजनों ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां चिकित्सकों की देखरेख में दोनों का इलाज सदर अस्पताल में बल रहा है। घटना की जानकारी देखे रहे हैं। परिजन ने बालू का उठाव कराया जाने की ओर दोनों किंशोर आम के पेड़ से बदल रहे थे और दोनों एक ही डाली पर छड़े थे अंचानक डाली के टूट जाने से दोनों किंशोर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गये।

सांप के काटने से

बच्चा बीगार



भारत को हरा ऑस्ट्रेलिया बना टेस्ट का विश्व विजेता

● ऑस्ट्रेलिया पहली टीम बनी जिसने वनडे, टी-20 और टेस्ट यानी इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में वर्ल्ड चैंपियनशिप अपने नाम की।

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड में आज एक बार पिछे भारतीय टीम का विश्व विजेता बनने का सपना टूट गया। द ओवल में ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को 209 रनों से हराया हुए पहली बार टेस्ट में विश्व विजेता बनने का गोरव प्राप्त किया। इसके साथ ही वह पहली ऐसी टीम बन गई है, जिसने वनडे, टी-20 और टेस्ट यानी इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में वर्ल्ड चैंपियनशिप अपने नाम की। भारत का अस्थिरीय दिन 280 रन बनाए थे और उनके 5 विकेट बचे थे, लेकिन विराट कोहली और जडेजा एक ही ओवर



में बोल्टेंड के शिकार बने और इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम का सपना चकनाचूर होते देर नहीं लगा। टीम इंडिया के फैंस का फिल दिल 10 साल

में नौवीं बार टूटा है। भारत पिछली बार 2013 में कोई आईसीसी टूर्नामेंट जीत पाया था। तब महेंद्र सिंह धोनी की कपासी में उसके

चैम्पियंस ट्रॉफी पर कब्जा किया था। उसके बाद से नौ आईसीसी इंटर्नेशनल खेलों में टीम हारी है। इसमें चार बार फाइनल में शिक्षण मिली है।

इन खिलाड़ियों की वजह से हारा फाइनल, बने फैंस के विलेन !

शुभमन गिल

टीम इंडिया के इस युवा ओपनर ने आईसीएल-2023 में कमाल का प्रदर्शन किया जिससे उमीद थी कि उनकी ये फॉर्मेंट टेस्ट फॉर्मेट में भी जारी रहें। हालांकि वह दोनों पारियों में 31 (13 और 18) ही बना पाए। दूसरी पारी में उनका विकेट जरूरी विवाहियद रहा लेकिन फिर भी उनकी बल्लेबाजी में बाहर नहीं दिखी, जिसके लिए उन्हें टीम में शामिल किया गया था।

चेतेश्वर पुजारा

भारत के टेस्ट स्पेशलिस्ट चेतेश्वर पुजारा का बल्ला दोनों पारियों में खामोश ही नजर आया। पुजारा ने पहली पारी में 25 बैंडों पर 2 चौकों की मदद से 14 रन बनाए। इसके

बाद दूसरी पारी में जब उनसे सबसे ज्यादा उमीद थी, तब वह 47 गेंद खेलकर 5 चौकों की बदौलत 27 रन बनाकर परीक्षण लोट गए।

उमेश यादव

टीम इंडिया का ये पेसर पहली पारी में तो कोई विकेट ही नहीं ले पाया। कपास रोहित शर्मा ने तब 5 गेंदबाजों को उतारा लेकिन एकमात्र उमेश यादव ही रहे जो कोई सफलता हासिल नहीं कर सके। उन्होंने तब 23 ओवर गेंदबाजी की और 77 रन दिए। दूसरी पारी में में उमेश 1 ओवर 54 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। तब सिमर रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट ज्ञान लिए।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से



खारखंड संवाददाता

आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

राज्य योग केंद्र में होगा योग का काउंटडाउन

आयुष विभाग के निदेशक डॉक्टर फजलुर शमी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को खास में रखते हुए सात दिवसीय योग का काउंटडाउन 15 जून से इंटर जेल रोड स्थित राज्य योग केंद्र में शुरू होगा। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। भारत में तो इसे उत्सव के रूप में मनाया जाता है। झारखंड में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कई कार्यक्रमों का आयोजन होता है। इस परीक्षण के दौरान योग का अध्ययन शुरू होता है। योग के अध्ययन के लिए योग विभाग ने विशेष तौर पर योग विभाग के आयोजन की ओर जारी किया गया।

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंटडाउन 15 जून से

ज्ञानियर योगी ने आयुष विभाग के आयुष संवाददाता के आयुष विभाग ने विशेष तौर पर इस दिवस को मनाने का निर्णय लिया।

रांची में आयुष विभाग का सात दिवसीय योग काउंट



नेपाल की संसद ने प्रधानमंत्री प्रचंड के इस्तीफे की मांग काठमांडू। नेपाल की राष्ट्रीय प्रजातात्त्विक पार्टी (आरपीपी) के सांसद ज्ञान बहादुर शाही ने रविवार का संसद में प्रधानमंत्री पुष्करमल दलक 'प्रदंड' के इस्तीफे की मांग की। शाही ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में युद्ध अपराधों से जुड़ी याचिका खीकार होने के बाद प्रचंड को नीतिकता के अधार पर अपना पद छोड़ देना चाहिए।

अग्निनेता नंगल दिल्ली का निधन

नयी दिल्ली। सीरियल और फिल्मों में दमदार भूमिकाएं निभाने वाले अभिनेता मंगल दिल्ली का रविवार को निधन हो गया। वह फिल्म कुछ समय से कैंसर से जूझ रहे थे। वह करीब एक महीने से लुधियाना के एक अस्पताल में भर्ती थे। इलाज के दौरान उसकी हालत और विड गयी। रविवार सुबह उन्होंने अस्पताल सांस ली। बालीउड अभिनेता यशपाल शर्मा ने उनके निधन की खबर भी पूछी की। उन्होंने फेसबुक पर पोस्ट लिखकर मंगल दिल्ली के निम्न की जानकारी दी है। मंगल का एक सासाह बाद जन्मदिन था।

चाय-नाश्ते पर खर्च ने विवादों में घिरे सीएन मान

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह वनी को खाने के बिल पर रघुरेण वाल जंगा के मुख्यमंत्री भगवंत मान खुद चाय-नाश्ते के बिल को लेकर रविवादों में घिर गये हैं। मंजु 14 महीने में मुख्यमंत्री कार्यालय का करीब 31 लाख रुपये से अधिक का चाय-नाश्ते का बिल आ गया है।

पटियाला नियासी बुजर्जत सिंह गोपालपुरी ने आटोइआइ के जरिए यह जनकारी हासिल की है।

असन ने 3.6 तीव्रता का भूकंप

गुवाहाटी। असम के शोणितपुर जिला में रविवार को रिवर रेल पर 3.6 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया है। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार रविवार को 11 बजकर 35 मिनट 58 सेकंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया था।

इंडिगो विनान पाकिस्तान के एयर स्पेस ने पहुंचा

चंडीगढ़। अमुतसर हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला विमान खराब मौसम के कारण गलती से पार्किंसन पहुंच गया। करीब आधा घंटा पाकिस्तान की सीमा में रहने के बाद विमान वापस भारतीय सीमा में आ गया।

बंगल के श्रीधान नारिट पर हल्ला

कोलकाता। पीशम बागल के उत्तर 24 परगाना और नारिया जिले में रहने वाले विधायक मुतुआ समुदाय के श्रीधान मंदिर पर हमले का आरोप सत्रासद तृणमुखी कार्यक्रम के कार्यकाताओं और समर्थकों पर लगा है। इसे लेकर विधानसभा में विषय के नेता शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से हस्तक्षण की मांग की है। शुभेंदु अधिकारी ने हमले से संबंधित दो वीडियो रविवार अपले 24 घंटे में और खतरनाक



पुणे में अपनी पत्नी के साथ प्रिसिल मिशलपाव का आनंद लेते जानवार के राजदूत ईरोडी सुजुकी। उन्होंने अपने दिवार हैंडल पर मिशलपाव का आनंद लेते हुए फटो भी शेयर की है। इस पर, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपको हमारे देश के खानापान की विविधता का आनंद लेते हुए देखा, तो मुझे बहुत अच्छा लगा।

76 साल के हुए लालू प्रसाद, परिवार संग आधी रात में मनाया जन्मदिन

पटना (हि.स.)। बिहार के गोपालगंज में 11 जून, 1948 को पैदा हुए राजद प्रमुख लालू प्रसाद रविवार को 76 वर्ष के हो गये। उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वालों का तोता लगा हुआ है। जन्मदिन की पूर्व संसार से ही उन्हें जन्मदिन की बधाइयों मिल रही है। लालू के परिवारिक के सदस्यों ने शनिवार आधी रात सबसे पहले केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया।

लालू प्रसाद ने बेटियों के बच्चों संग देर रात केक काटा। इसकी तस्वीर भी उनकी बड़ी बेटी मीसा भारती ने सोशल मीडिया पर शेयर की है। लालू ने राबड़ी आवास पर रविवार सुबह कार्कर्ताओं और समर्थकों के साथ भी केक काटा। मीसा भारती ने लालू प्रसाद के



जन्मदिन सेलेब्रेशन की तर्कीरों को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए।

खुशी और आनंद से भरे रहे। सबसे अच्छे पापा को जन्मदिन जिंदगी के आने वाले साल ऐसे ही

बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सहित बेटियों और नाती-नातिनों के साथ केक काटते दिख रहे हैं।

केंद्र का अध्यादेश दिल्ली के लोगों का अपमान : केजरीवाल

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की 'महारैली' का हुआ आयोजन, कपिल सिव्बल भी हुए शामिल

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सेवाओं पर नियन्त्रण से जुड़े अध्यादेश को लेकर रविवार को यहां रामलीला मैदान में केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सबसे पहले दिल्ली पर 'वार' हुआ और अच्युतों के लिए भी इसी तरह के अध्यादेश लाये जायेंगे। आम आदमी पार्टी (आप) की 'महारैली' को संबोधित करते हुए केजरीवाल को यहां रामलीला मैदान में केंद्र सरकार पर नियन्त्रण से जुड़े अध्यादेश को लेकर रविवाल ने कहा कि केंद्र का अध्यादेश लाया जाएगा। आपको यहां आवास पर रविवाल से अध्यादेश करते हुए और जीतेंगे भी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के हक में फैसला दिया। आपको यहां आवास पर रविवाल से अध्यादेश करते हुए और जीतेंगे भी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के हक में फैसला दिया। आपको यहां आवास पर रविवाल से अध्यादेश करते हुए और जीतेंगे भी।



थी। अब एक बार फिर तानाशाह सरकार को खत्म करने के लिए इस मैदान पर इकट्ठा हुए हैं। आज तानाशाही के खिलाफ लड़ाई शुरू कर रहे हैं और जीतेंगे भी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के हक में फैसला दिया। आपको यहां आवास पर रविवाल से अध्यादेश करते हुए और जीतेंगे भी।

मुख्यमंत्री के जरीवाल ने कहा कि आपको यहां आवास पर रविवाल से अध्यादेश करते हुए और जीतेंगे भी।

आप के राष्ट्रीय संघेजक ने कहा, दिल्ली में तानाशाही होगी और उत्तरायण पर इकट्ठा हुए हैं। आज तानाशाही के खिलाफ लड़ाई शुरू कर रहे हैं और जीतेंगे भी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के हक में फैसला दिया। आपको यहां आवास पर रविवाल से अध्यादेश करते हुए और जीतेंगे भी।

आप के राष्ट्रीय संघेजक ने कहा, दिल्ली में तानाशाही होगी और उत्तरायण पर इकट्ठा हुए हैं। आज तानाशाही के खिलाफ लड़ाई शुरू कर रहे हैं और जीतेंगे भी।

केजरीवाल ने कहा, मैं सवाल करना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी युजरात के मुख्यमंत्री और अप्रैल में फैसला दिया जाना चाहता है। उन्होंने कहा कि चुनी हुई सरकार को आठ साल 14 करोड़ लोग उनके साथ है। भारत की आधी रात से मानवों का अपमान करने का अधिकार हो रहा है। आपको यहां आवास पर रविवाल से अध्यादेश करते हुए और जीतेंगे भी।

आप के राष्ट्रीय संघेजक ने कहा, दिल्ली में तानाशाही होगी और उत्तरायण पर इकट्ठा हुए हैं। आज तानाशाही के खिलाफ लड़ाई शुरू कर रहे हैं और जीतेंगे भी।

केजरीवाल ने कहा, मैं सवाल करना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी युजरात के मुख्यमंत्री और अप्रैल में फैसला दिया जाना चाहता है। उन्होंने कहा कि चुनी हुई सरकार को आठ साल 14 करोड़ लोग उनके साथ है। भारत की आधी रात से मानवों का अपमान करने का अधिकार हो रहा है। आपको यहां आवास पर रविवाल से अध्यादेश करते हुए और जीतेंगे भी।

आप के राष्ट्रीय संघेजक ने कहा, दिल्ली में तानाशाही होगी और उत्तरायण पर इकट्ठा हुए हैं। आज तानाशाही के खिलाफ लड़ाई शुरू कर रहे हैं और जीतेंगे भी।

केजरीवाल ने कहा, मैं सवाल करना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी युजरात के मुख्यमंत्री और अप्रैल में फैसला दिया जाना चाहता है। उन्होंने कहा कि चुनी हुई सरकार को आठ साल 14 करोड़ लोग उनके साथ है। भारत की आधी रात से मानवों का अपमान करने का अधिकार हो रहा है। आपको यहां आवास पर रविवाल से अध्यादेश करते हुए और जीतेंगे भी।

आप के राष्ट्रीय संघेजक ने कहा, दिल्ली में तानाशाही होगी और उत्तरायण पर इकट्ठा हुए हैं। आज तानाशाही के खिलाफ लड़ाई शुरू कर रहे हैं और जीतेंगे भी।

केजरीवाल ने कहा, मैं सवाल करना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी युजरात के मुख्यमंत्री और अप्रैल में फैसला दिया जाना चाहता है। उन्होंने कहा कि चुनी हुई सरकार को आठ साल 14 करोड़ लोग उनके साथ है। भारत की आधी रात से मानवों का अपमान करने का अधिकार हो रहा है। आपको यहां आवास पर रविवाल से अध्यादेश करते हुए और जीतेंगे भी।

आप के राष्ट्रीय संघेजक ने कहा, दिल्ली में तानाशाही होगी और उत्तरायण पर इकट्ठा हुए हैं। आज तानाशाही के खिलाफ लड़ाई शुरू



खबर मन्त्र

पर्यटन

epaper.khabarmantra.net

रांची. सोमवार. 12 जून . 2023 13

श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड

सभी हिंदू देवताओं में से, भगवान शिव भक्तों के बीच अत्यधिक पूजनीय और लोकप्रिय हैं। पवित्र बर्फ लिंगम की पूजा करने के लिए, भक्त जून-अगस्त के महीनों में कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र गुफा तीर्थ के लिए कठिन वार्षिक तीर्थयात्रा करते हैं। पवित्र तीर्थस्थल का प्रबंधन श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएसबी) द्वारा किया जाता है, जिसे 2000 में जम्मू और कश्मीर राज्य विधानसभा द्वारा के एक अधिनियम द्वारा गठित किया गया था। माननीय लोभनेंद गवर्नर, जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष हैं।

श्राइन बोर्ड श्री अमरनाथजी यात्रा के बेहतर प्रबंधन, पवित्र तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं के उन्नयन और उससे जुड़े मामलों और प्रार्थणीक मामलों के लिए जिम्मेदार है। एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रतिष्ठित बोर्ड सदस्यों द्वारा सदायता प्राप्त, बोर्ड अपने जनादेश को पूरा करने की दिशा में प्रामाणरत है।

छड़ी मुबारक :-

यह यात्रा छड़ी मुबारक के साथ चलती है, जिसमें यात्री एक बहुत बड़े जुलूस के रूप में अपनी यात्रा आरंभ करते हैं। इसमें अनगिनत साधु भी होते हैं, जो अपने हाथों में त्रिशूल और डमरु उठाए, हाव्यम-बम भोले तथा जयकारा वीर बजरंगी-हर हर महादेवह के नारे लगाते हुए बड़ी श्रद्धा तथा खासकों के साथ आगे आगे चलते हैं।

छड़ी मुबारकहूं हमेशा श्रीनगर के दर्शनामी अखाड़ा से कई साथूओं के एक जुलूस के रूप में 140 किमी की पथयात्रा पर रवाना होती है जिसका प्रथम पड़ाव पर्याप्त, दूसरा पड़ाव विजयवाहार में और अनंतनाम में दिन को विश्राम करने के बाद सार्व को मटन की ओर रवाना होकर रात का विश्राम करके दूसरे दिन प्रातः एशमुकाम की ओर चल पड़ती है।

62 दिन चलेगी यह यात्रा

आतंकी हमला को लोकर सावधानी सीसीटीवी कैमरा से निगरानी

अमरनाथ यात्रा से ठीक पहले अब जम्मू कश्मीर पुलिस बोर्ड से लेकर जम्मू तक हर गतिविधि पर तीसरी आंख से नजर रखेगी। इस डाटा बैंक में 10295 कैमरा का डाटा इकट्ठा किया गया है, ये कैमरे पूरे जम्मू-शहर के अलग-अलग इलाकों में लोगों के घरों में लगे हैं, जिसमें 3000 के आसपास पास्त्रा पास्त्रा के दूसरे तरफ पाकिस्तान में कई आतंकी लॉन्च-पैड एवं एक्टिव हैं और अमरनाथ यात्रा से पहले घुसपैठ कर बड़ा हमला करने की फिराक में हैं।

इस तरह के इनपुट भी मिल रहे हैं कि एक बार फिर आतंकी में बैठे आतंकी अमरन भट उर्फ खुबैब और रफीक नई को आतंकी हमले करने की जिम्मेदारी दी गई है, इसके लोकर सुरक्षाबल फहरे से ही अलर्ट पर है। आपका चला दें कि इस बार एक यात्रा से अमरनाथ यात्रा शुरू होकर 62 दिनों तक चलेगी।

लिहर नदी के किनारे बसा एक छोटा-सा कस्बा पहलगाम के नाम से जाना जाता है। पहलगाम से श्रावण पूर्णिमा से तीन दिन पहले, शिव की प्रतीक पवित्र छड़ी के नेतृत्व में ढोल, ढमाकों, दुर्घात्मकों और हाव्यम-हर महादेवह के जययोग के बीच साधु-संतों की टोलियों के साथ यात्री आगे पड़ाव चंदनवाड़ी की ओर बढ़ते हैं। यह लिहरगाम से 16 किमी दूरी पर स्थित है। चंदनवाड़ी 500 फुट की ऊंचाई पर यात्री नदियों के संगम पर एक सुरुद्ध घाटी है और लिहर नदी पर बना बर्फ का पुल आकर्षण का मुख्य केंद्र होता है। यहाँ पर जलपान करके तथा थोड़ा विश्राम करके आगे की कठिन चढ़ाई द्वारा पूर्णिमा घाटी की ओर बढ़ा जाता है। पहलगाम से चंदनवाड़ी कार या टैक्सी में एक घटे के भीतर पहुंचा जा सकता है वहाँ पर बौद्धिक अटखेलियां करती हैं।

चंदनवाड़ी से 13 किमी दूर है शेषनाम सामक स्थान है। पिस्यू टाप की कठिन चढ़ाई पर कर जोगापाल नामक चारागाह से गुजरते हुए लिहर के किनारे-किनारे चलते हुए शेषनाम पहुंचा जा सकता है। यहाँ पर जील का सौंदर्य अद्भुत है। शेषनाम जील 12200 फुट की ऊंचाई पर हिमशर्खों के बीच घिरी यह हिम से आच्छादित जील, लिहर नदी का उद्गम स्थल है। यहाँ गरिमा में लोग टैटों की बस्ती में विश्राम करके आगे की यात्रा आरंभ करते हैं, यहाँ के हिमान्तिक जल से स्नान करने के बाद चढ़ाई से हुई रात्री थकावट दूर हो जाती है।

पिस्यू टाप की कठिन चढ़ाई पर जील नामक चारागाह से गुजरते हुए लिहर के किनारे-किनारे चलते हुए उपरांत खाली तरफ पैदावर पर्याप्त बर्फ का उपयोग करते हैं और आतंकी रात को चढ़ाई पर जील की ओर चढ़ाई करते हैं। यहाँ पर जील का पार करके आगे की ओर चढ़ाई करते हैं और गुफा की ओर जोगा जाता है। ऑक्सीजन की कमी है बैंकिंग अमरनाथ यात्रा के दौरान यही शिखर सबसे ऊंचा है। ऑक्सीजन की कमी के कारण सामान फूलता है। हालांकि स्थान-स्थान पर चिकित्सा संबंधी सहायता भी उपलब्ध रहती है। शिखर पर चढ़ने के उपरांत पैदावर पर्याप्त बर्फ का उपयोग करते हैं और आतंकी रात को चढ़ाई से स्नान करने के बाद चढ़ाई के गुल के पार करके आगे की ओर चढ़ाई करते हैं।

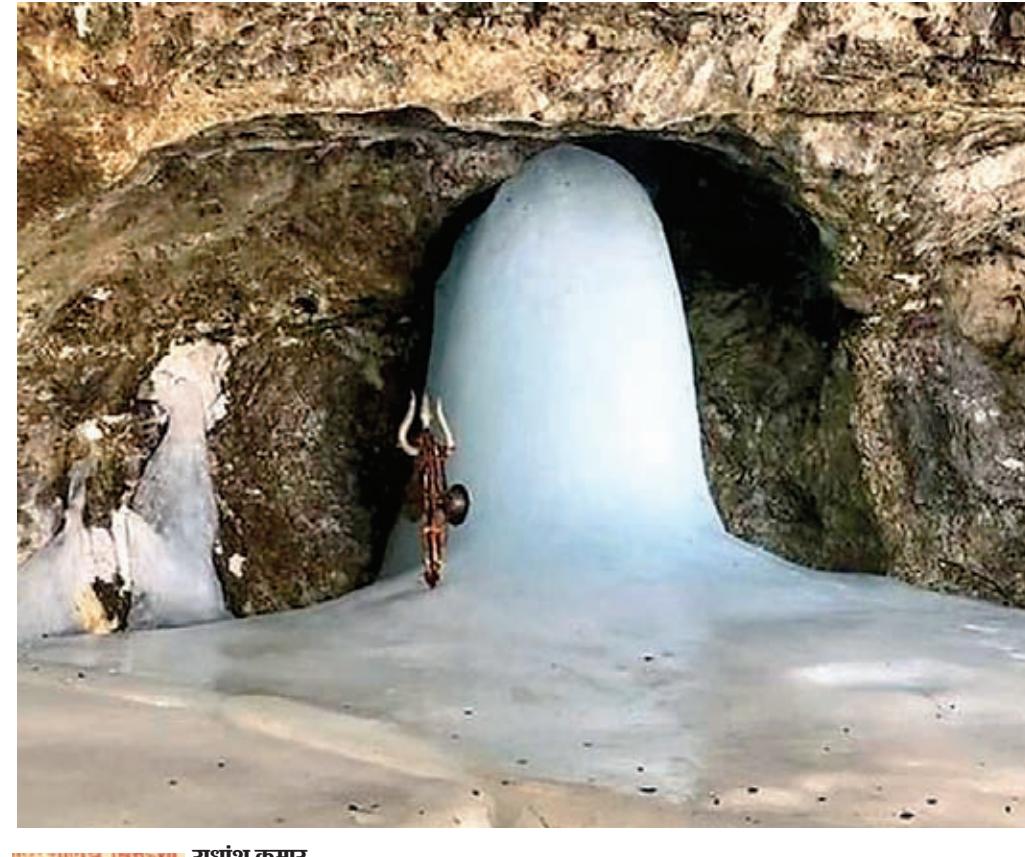
पंजतरणी से गुफा तक के मार्ग में पुरः दुर्गम चढ़ाई का सामान करके पड़ा है। एक मोड़ से गुफा का दूर से दर्शन होने पर लोग रात होते हैं जय-जयकार करते हैं और चढ़ने के उपरांत खाली तरफ पैदावर के गुल के पार करके आगे की ओर चढ़ाई होते हैं पवित्र गुफा के नीचे बहुती अमर गंगा के टट पर यहाँ से स्नान करके लोग लगभग 100 फुट ऊंचाई तक 150 फुट लंबे उस पवित्र गुफा में जाते हैं, यहाँ प्राकृतिक पीठ पर हिम निर्मित शिवलिंगम के दर्शन पाकर लोग अपने आप को धन्य समझते हैं। यही हिमलिंग तथा लिंगायित ठोस बर्फ का होता है। गुफा में जहाँ-तहाँ पानी की बूँदे टपकती होती हैं लोकनाम शिवलिंग के साथ घटात-घटत करते हैं और लिंग चंद्र की कलाओं के साथ घटात-घटत है। पूर्णिमा की पूरी और अमावस्या की विलोनी होती है। वैसे सोनामां-बालटाल से यहाँ एक गंगा है जो जाता है। वैसे सोनामां-बालटाल से यहाँ एक गंगा है जो जाता है।

पंजतरणी से गुफा तक के मार्ग में पुरः दुर्गम चढ़ाई का सामान करके पड़ा है। एक मोड़ से गुफा का दूर से दर्शन होने पर लोग रात होते हैं जय-जयकार करते हैं और चढ़ने के उपरांत खाली तरफ पैदावर के गुल के पार करके आगे की ओर चढ़ाई होते हैं पवित्र गुफा के नीचे बहुती अमर गंगा के टट पर यहाँ से स्नान करके लोग लगभग 100 फुट ऊंचाई तक 150 फुट लंबे उस पवित्र गुफा में जाते हैं, यहाँ प्राकृतिक पीठ पर हिम निर्मित शिवलिंगम के दर्शन पाकर लोग अपने आप को धन्य समझते हैं। यही हिमलिंग तथा लिंगायित ठोस बर्फ का होता है। गुफा में जहाँ-तहाँ पानी की बूँदे टपकती होती हैं लोकनाम शिवलिंग के साथ घटात-घटत करते हैं और लिंग चंद्र की कलाओं के साथ घटात-घटत है। पूर्णिमा की पूरी और अमावस्या की विलोनी होती है। वैसे सोनामां-बालटाल से यहाँ एक गंगा है जो जाता है। वैसे सोनामां-बालटाल से यहाँ एक गंगा है जो जाता है।

पंजतरणी से गुफा तक के मार्ग में पुरः दुर्गम चढ़ाई का सामान करके पड़ा है। एक मोड़ से गुफा का दूर से दर्शन होने पर लोग रात होते हैं जय-जयकार करते हैं और चढ़ने के उपरांत खाली तरफ पैदावर के गुल के पार करके आगे की ओर चढ़ाई होते हैं पवित्र गुफा के नीचे बहुती अमर गंगा के टट पर यहाँ से स्नान करके लोग लगभग 100 फुट ऊंचाई तक 150 फुट लंबे उस पवित्र गुफा में जाते हैं, यही प्राकृतिक पीठ पर हिम निर्मित शिवलिंगम के दर्शन पाकर लोग अपने आप को धन्य समझते हैं। यही हिमलिंग तथा लिंगायित ठोस बर्फ का होता है। गुफा में जहाँ-तहाँ पानी की बूँदे टपकती होती हैं लोकनाम शिवलिंग के साथ घटात-घटत करते हैं और लिंग चंद्र की कलाओं के साथ घटात-घटत है। पूर्णिमा की पूरी और अमावस्या की विलोनी होती है। वैसे सोनामां-बालटाल से यहाँ एक गंगा है जो जाता है। वैसे सोनामां-बालटाल से यहाँ एक गंगा है जो जाता है।

पंजतरणी से गुफा तक के मार्ग में पुरः दुर्गम चढ़ाई का सामान करके पड़ा है। एक मोड़ से गुफा का दूर से दर्शन होने पर लोग रात होते हैं जय-जयकार करते हैं और चढ़ने के उपरांत खाली तरफ पैदावर के गुल के पार करके आगे की ओर चढ़ाई होते हैं पवित्र गुफा के नीचे बहुती अमर गंगा के टट पर यहाँ से स्नान करके लोग लगभग 100 फुट ऊंचाई तक 150 फुट लंबे उस पवित्र गुफा में जाते हैं, यही प्राकृतिक पीठ पर हिम निर्मित शिवलिंगम के दर्शन पाकर लोग अपने आप को धन्य समझते हैं। यही हिमलिंग तथा लिंगायित ठोस बर्फ का होता है। गुफा में जहाँ-तहाँ पानी की बूँदे टपकती होती हैं लोकनाम शिवलिंग के साथ घटात-घटत करते हैं और लिंग चंद्र की कलाओं के साथ घटात-घटत है। पूर्णिमा की पूरी और अमावस्या की विलोनी होती है। वैसे सोनामां-बालटाल से यहाँ एक गंगा है जो जाता है। वैसे सोनामां-बालटाल से यहाँ एक गंगा है जो जाता है।

जय बाबा बफनी



सुधांशु कुमार

मोदी सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि अमरनाथ यात्रीयां की यात्रा सुविधाजनक हो और अधिकारियों को यात्रा बफनी की ओर पूर्ण तरीकों से बदलने के लिए आवश्यक होता है।

ए